जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

17 अक्टूबर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने किया दिल्ली पुलिस अधिकारियों की रिफ्रेशर ट्रेनिंग के लिए सहयोग

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (यूजीसी-एचआरडीसी) और समाज कार्य विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने तीन दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करने के लिए दिल्ली पुलिस की महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष इकाई (एसपीयूडब्ल्यूएसी) के साथ सहयोग किया है। एसपीयूडब्ल्यूएसी और इसकी जिला इकाइयों में तैनात पुलिस अधिकारियों के लिए, इस श्रृंखला में तीसरा प्रशिक्षण 13 अक्टूबर से 15 अक्टूबर, 2023 तक यूजीसी-एचआरडीसी, जेएमआई में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण का उद्देश्य वैवाहिक संबंधों में हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं के साथ प्रभावी ढंग से काम करने में प्रतिभागियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत एक स्वागत सत्र के साथ हुई जिसमें प्रोफेसर अनीसुर रहमान, निदेशक यूजीसी-एचआरडीसी और प्रोफेसर नीलम सुखरामनी, अध्यक्ष, समाज कार्य विभाग, जेएमआई के नेतृत्व में प्रशिक्षण टीम ने पारस्परिक सीखने के अनुभव के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण के बुनियादी विचार को पेश किया, जिसमें प्रशिक्षुओं वे लैंगिक गतिशीलता के बारे में अपनी समझ को ताज़ा कर सकते हैं और अपने काम के हिस्से के रूप में सामने आने वाली हिंसा के बढ़ते मामलों और रूपों से निपटने के लिए अपने कौशल को भी बढ़ा सकते हैं। प्रो. नीलम सुखरामनी ने इस पहल की प्रासंगिकता पर जोर देने के लिए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 5 (2019-21) के आंकड़ों की ओर ध्यान आकर्षित किया। एनएफएचएस डेटा की रिपोर्ट है कि 15 से 49 वर्ष की उम्र के बीच की लगभग एक तिहाई महिलाएं अभी भी घरेलू हिंसा का अनुभव करती हैं और उनमें से केवल 14% ने कभी इसके लिए मदद मांगी है। इसके लिए सेवा वितरण प्रणालियों को अपनी प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है। डॉ. रश्मी जैन ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रवाह और तर्क के बारे में जानकारी दी। एसपीयूडब्ल्यूएसी की इंस्पेक्टर रीता ने अपनी यूनिट के पुलिस अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए जेएमआई के प्रति आभार व्यक्त किया।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में समकालीन वास्तविकता और कौशल संवर्धन की व्यक्त आवश्यकता के आलोक में तैयार किए गए विषयों की एक श्रृंखला को शामिल किया गया। प्रशिक्षण सत्र लिंग, शक्ति, पितृसत्ता, घरेलू हिंसा के रूपों और मानसिक स्वास्थ्य और बच्चों पर इसके प्रभाव, शराब और वैवाहिक संबंधों पर इसके प्रभाव और यौन अंतरंगता के मुद्दों से संबंधित परिप्रेक्ष्य निर्माण पर केंद्रित हैं। यह प्रशिक्षण भावनात्मक रूप से भारी काम की पृष्ठभूमि में पुलिस अधिकारियों में लचीलापन बनाने में भी मदद करता है। जटिल मुद्दों से निपटने के लिए युगल संवर्धन सहित परामर्श के कौशल को अनुभवात्मक शिक्षण सत्रों के माध्यम से बढ़ाया जाएगा।

सत्र का नेतृत्व समाज कार्य विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग, सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केंद्र, जेएमआई और दिल्ली विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के साथ-साथ प्रसिद्ध क्षेत्र के चिकित्सकों और अनुभवी पेशेवरों ने किया। प्रशिक्षण के तीसरे बैच के लिए 35 प्रतिभागियों को नानकपुरा में नोडल कार्यालय सहित सभी जिला महिला और बच्चों के खिलाफ अपराध सेल से लिया गया है।

जामिया के समाज कार्य विभाग का SPUWAC के साथ सहयोग का एक लंबा इतिहास है। पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम 2005 का है। तब से, विभिन्न अंतरालों पर नियमित प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाते रहे हैं। इसके अतिरिक्त, विभाग निर्भया फंड से वित्तीय सहायता के साथ दिल्ली के 20 पुलिस स्टेशनों में एक हस्तक्षेप परियोजना के लिए तकनीकी सहायता एजेंसियों में से एक था। 2017-20 का पायलट प्रोजेक्ट महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए इसकी स्थायी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। संकाय सदस्यों की प्रशिक्षण टीम को जामिया के समाज कार्य विभाग से अनुसंधान विद्वान अर्शी शौकत और अंजलि जोशी का भी समर्थन प्राप्त है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया